Regarding rail connectivity from Mau, Uttar Pradesh

श्री राजीव राय (घोसी) : सभापति महोदय, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, धन्यवाद । मैं रेल यातायात संबंधी विषय पर बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं । हमारे यहां रेल व्यापारियों के लिए लाइफ लाइन है । इसको आपसे बेहतर कोई नहीं समझ सकता है । बुनकरों के लिए वहां राज्य सरकार ने ऐसी व्यवस्था कर दी है कि सब कुछ खत्म हो जाए । रेल यातायात खराब है । मैं सदन में तीसरी बार बोल रहा हूं । अगर ट्रेनों को बड़े शहरों से जोड़ा नहीं जाएगा और व्यापारिक संपर्क नहीं होगा तो वे अपने आप मर जाएंगे ।

मैंने इस विषय को नियम 377 में भी उठाया था । दक्षिण भारत, दिल्ली, मुंबई और बड़े-बड़े इलाकों दोहरी घाट और मऊ से जोड़ने की बात की थी । लेकिन मेरे पास आए पत्र में असमर्थता व्यक्त की गई है । जब आप कुछ कर ही नहीं सकते, किसी काबिल ही नहीं हैं, मैं दो लाइन जरूर बोलूंगा,

?कुर्सी है जनाजा तो नहीं यदि कुछ कर नहीं सकते तो उतर क्यों नहीं जाते ।?

मैं आपसे पुन: मांग करूंगा कि अगर हमारे व्यापारियों को आप बिजली सब्सिडी नहीं दे सकते तो कम से कम व्यापार करने का मौका ही दें । दिल्ली, मुंबई और दक्षिण भारत के लिए तत्काल रेल यातायात बढ़ाने, सुपर फास्ट ट्रेन से जोड़ने की व्यवस्था की जाए । मुझे उम्मीद है कि इस बार इसको डस्टबिन में नहीं डाला जाएगा ।

माननीय सभापति: डॉ. प्रशांत यादवराव पडोले जी ।

? (व्यवधान)

माननीय सभापति: श्री राम प्रसाद चौधरी जी ।

? (व्यवधान)

माननीय सभापति: डॉ. प्रशांत यादवराव पडोले जी, आप तो बाहर चले गए थे ।

? (व्यवधान)